आदर्श प्रश्न पत्र

विषय हिन्दी

कक्षा : 10+2

समय :– 3 घण्टे **पूर्णाकः–80**

- परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें ।
- प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिए गए है ।

विशेष निर्देशः–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य है। सुलेख व वर्तनी का विशेष ध्यान रखें ।
2. प्रश्नों के उत्तर देते समय जो प्रश्न संख्या प्रश्न पत्र पर दर्शाई गई हैं, उत्तरपुस्तिका वही प्रश्न संख्या लिखना अनिवार्य है ।

प्र01: प्रश्न 1 के 16 भाग है । निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का एक अंक है । प्रत्येक प्रत्येक प्रश्न के चार विकल्प दिए गए है । जिनमें से सही विकल्प का चयन करें । **(16 x 1 =16)**

(i) प्रकृति के सुकुमार कवि किसे कहा जाता है ?
(क) जयशंकर प्रसाद (ख) सुमित्रानन्दन पन्त
(ग) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला (घ) हरिवंश राय बंच्चन ।

(ii) "ढेले चुन लो" निबन्ध की शैली है :–
(क) काव्यमयी (ख) ललित
(ग) इतिवृत्तात्मक (घ) इनमें से कोई भी नहीं ।

(iii) कवि ने बनारस को किसका शहर माना है –
(क) श्रद्धा । (ख) भक्ति ।
(ग) आस्था (घ) उपरोक्त सभी ।

(iv) सिंगरौली क्षेत्र के जंगल में अधिकतर कौन से पेड़ होते थे ?
(क) कत्था, महुआ, बॉस, शीशम । (ख) बबूल, खजूर, बॉस ।
(ग) बेर, महुआ, शीशम (घ)शीशम, नीम, बबूल ।

(v) देवदास कैसी कहानी है ?
(क) उत्साहवर्धन की । (ख) ईश्वरीय आस्था की ।
(ग) प्रतियोगी परीक्षाओं की । (घ) प्रेम की ।

(vi) कोनसी कृति पर निर्मल वर्मा को साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया ?
(क) लाल टीन की छत । (ख) वे दिन ।
(ग) कब्वे और काला पानी । (घ) जलती झाड़ी ।

(vii) "दीठ" शब्द का अर्थ है ?
(क) हठ । (ख) दृष्ठि ।
(ग) जलन (घ) अभिमान ।

(viii) सूरदास की झोपड़ी प्रेमचन्द के किस उपन्यास का अंश है –
(क) कर्मभूमि । (ख) रंगभूमि ।
(ग) गोदान । (घ) गबन ।

(ix) कविता में बिम्ब क्या है ?
(क) कविता की संवेदना को प्रकट करना ।(ख) अमूर्त कल्पनाओ को मूर्त रूप प्रदान करना
(ग) कल्पनाओं द्वारा ऐन्द्रिय अनुभव। (घ) उपरोक्त सभी विकल्प ।

(x) परिपत्र किस श्रेणी का पत्र है ?
(क) सामाजिक । (ख) कार्यालयी ।
(ग) व्यक्तिगत। (घ) पारिवारिक ।

(xi) समाचार लेखन के कितने ककार है ?
(क) एक । (ख) तीन।
(ग) छः। (घ) आठ।

(xii) जनसंचार के विविध आयाम कौन–कौन से है ?

(क) टेलीफोन, इंटरनेट, फैक्स । (ख) संदेशवाहक, डाकिया, कबूतर।

(ग) रेडियो, समाचार पत्र, सिनेमा। (घ) "क" और "ग" दोनों विकल्प ।

(xiii) "एक अजीब सी लड़की है" । पंक्ति में अलंकार है –

(क) यमक । (ख) उपमा ।

(ग) श्लेष। (घ) रूपक ।

(xiv) बिसनाथ को कौन–सी बात देर में समझ में आई ?

(क) बतख अंडे देने के समय पानी से जमीन पर आ जाती है ।

(ख) बतख अंडे देने के समय पानी से आकर पेड़ पर बैठ जाती है ।

(ग) बतख अंडे देने के समय झुरमुट में छिप जाती है ।

(घ) इन में से सभी ।

(xv) रामचन्द्र शुक्ल का जन्म कब और कहा हुआ था ?

(क) सन् 1884 में उत्तरप्रदेश के बस्ती जिले के अगौना गांव ।

(ख) सन् 1883 में पुरानी बस्ती जयपुर में ।

(ग) सन् 1882 में रावलपिंडी पाकिस्तान में ।

(घ) इन में से कोई नही।

(xvi) सही मिलान किजिए –

(क) जयशंकर प्रसाद	(i) मैला आंचल, जुलूस, अग्निखोर
(ख) मुंशी प्रेमचन्द	(ii) लोकायतन, ग्राम्या, बूढ़ा चांद
(ग) सुमित्रानन्दपंत	(iii) आंसू, झरना, आकाशदीप
(घ) फणीश्वरनाथ रेणु	(iv) रंगभूमि, गबन, कर्मभूमि

विकल्प–1(iii), (iv), (ii), (i)

विकल्प–2(i), (iii), (ii), (iv)

विकल्प–3(i), (ii), (iii), (iv)

विकल्प–4 इनमें से कोई भी नहीं ।

प्र02: निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर अंत में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–(1+1+1+1+1+1=6)

परिश्रम कल्पवृक्ष है। जीवन की कोई भी अभिलाषा परिश्रमरूपी कल्पवृक्ष से पूर्ण हो सकती है । परिश्रम जीवन का आधार है, उज्जवल भविष्य का जनक और सफलता की कुंजी है । सृष्टि के आदि से अद्यतन काल तक विकसित सभ्यता और सर्वत्र उन्नति परिश्रम का परिणाम है । किसी देश राष्ट्र अथवा जाति के उस देश के भौतिक संसाधन तब तक समृद्ध नहीं बना सकते जब तक कि वहा के निवासी उन संसाधनों का दोहन करने के लिए अथक परिश्रम नहीं करतें । परिश्रम से रेगिस्तान भी अन्न उगलनें लगतें है । हमारे देश की स्वतंत्रता के पश्चात हमारी प्रगति की द्रुतगति भी हमारे श्रम का ही फल है। भाखड़ा–बंगाल का विशाल बांध हो या श्री हरिकोटा या कोविड–19 की रोकथाम के टीका तैयार करना, प्रत्येक सफलता हमारे श्रम का परिणाम है तथा प्रमाण भी है।

(i) परिश्रम को किसके समान बाताया गया है ?

(ii) जीवन की अभिलाषा कैसे पूर्ण होती है ?

(iii) किसी देश अथवा राष्ट्र के भौतिक संसाधन समृद्ध कब होते है ?

(iv) भारत के परिश्रम के प्रमाण क्या–क्या बताए गए है ?

(v) "संसाधनों के दोहन" से क्या तात्पर्य है ?

(vi) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखें ?

प्र03 : निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :–(1.5+1.5+1.5+1.5=6)

अरे तुम इतने क्यों हुए अधीर
हार बैठें जीवन कादाँव
जीतते जिसको मरकर वीर
तप नहीं केवल जीवन सत्य
करूण यह क्षणिक की अवसाद
तरल आकांक्षा से है भरा
सो रहा आशा का आह्लाद ।

(i) मनुष्य को किस तरह का जीवन जीना चाहिए ?
(ii) कवि के अनुसार वीर पुरूष क्या हार बैठा है ?
(iii) प्रस्तुत पद्यांश में किसका आह्वान किया गया है ?
(iv) "आशा" का विलोम शब्द लिखिए ?
(v) वीर पुरूष जीवन का दाँव कैसे जीत सकता है ?
(vi) पद्यांश का अचित शीर्षक लिखें ।

प्र04: निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखें :– (4)

(i) मन के हारे हार है मन के जीते जीत ।
(ii) जीवन में खेलों का महत्व ।
(iii) हिमाचल प्रदेश के पर्यटन स्थल ।
(iv) मेंरे जीवन का उद्देश्य ।
(v) मंहगाई की समस्या।

प्र05: आपका चयन आई0टी0आई जिला मण्डी के लिए हुआ है, जिसमें दाखिला लेने के स्कूल के सत्यापन की नितान्त आवश्यकता है । इस संन्दर्भ में विद्यालय के प्रधानाचार्य का सदाचार प्रमाण –पत्र लेने हेतु प्रार्थना पत्र लिखो, जिसमें आपकी उपलबिधयों एवं रूचियों का विशेष उल्लेख हो ।

अथवा

अपने मित्र या सखी को जीवन में योग की महता पर प्रकाश डालते हुए पत्र लिखें । (4)

प्र06: निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए ?

(i) विभिन्न जनसंचार माध्यमों में इंटरनेट की क्या भूमिका है ?
(ii) कविता के महत्वपूर्ण घटक कौन–कौन से है ? वर्णन करें ।
(iii) समाचार पत्र समाज में क्या दायित्व निभाते है ?
(iv) फीचर क्या है ?
(v) पत्रकारिता के कौन–कौन से आयाम है ? (3x2=6)

प्र07: निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :– (4)

कभी सई–साँझ
बिना किसी सूचना के
घुस जाओ इस शहर में
कभी आरती के आलोक में
इसे अचानक देखो
अद्भुत है इसकी बनावट
यह आधा जल में है
आधा मंत्र में
आधा फूल में है
आधा शव में
आधा नींट में है
आधा ध्यान से देखो
तो यह आधा है
और आधा नहीं है

अथवा

राघौ!एक बार फिरि आवौ ।
ए बर बाजि बिलोकि आपने बहुरो बनहीं सिंधावौ ।।
जे पय प्याइ पोखि कर–पंकज वार वार चुचुकारे ।
क्यों जीवहिं, मेरे राम लाडिले !त`अब निपट बिसरे ।।
भरत सौगुनी सार करत हैं अति प्रिय जानि तिहारे ।
तदपि दिनहीं दिन होत झाँवरे मनहुँ कमल हिममारे ।।
सुनहु पथिक ! जो राम मिलहिं बन कहियो मातु संदेसो ।
तुलसी मोहिं और सबहिन तें इन्हको बड़ो अंदेसो ।।

प्र08: निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :– **(3x2=6)**

(i) "उड़ते खग" और "बरसाती ओंखो के बादल" से क्या विशेष अर्थ व्यंजित हो है ?

(ii) सरोज का विवाह अन्य विवाहों से किस प्रकार भिन्न था ?

(iii) वृक्षों से पतियाँ तथा वनों से ढ़ांखें किस माह में गिरतें है ? इससे विरहणी का क्या सम्बन्ध है ?

(iv) कवि ने आशा को बावली क्यों कहा है ?

(v) "मैं जानऊँ निज नाथ सुभाऊँ।" में राम के स्वभाव की किन विशेषताओं की ओर संकेत किया गया है ?

(vi) कार्नेलिया के गीत कविता में प्रसाद ने भारत की किन विशेषताओं की ओर संकेत किया है

प्र09 : निम्नलिखित में से किसी एक कवि की काव्यगत विशेषताएं लिखिए :– (3)

(i) जयशंकर प्रसाद

(ii) मलिक मुहम्मद जायसी

प्र010: निम्नलिखित पठित गद्यांशों में से दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– **(2 x 4 = 8)**

(i) चौधरी साहब एक खासे हिन्दुस्तानी रईस थे। वसंत पंचमी, होली इत्यादी अवसरों पर उनके यहाँ खूब नाचरंग और उत्सव हुआ करते थे । उनकी हर एक अदा से रियासत औ तबीयतदारी टपकती थी । कधों तक बाल लटक रहें है । आप इधर से उधर टहल रहें है ।एक छोटा–सा लड़का पान की तश्तरी लिए पीछे–पीछे लगा हुआ है । बात की कॉंट–छाँट का क्या कहना है । जो बातें उनके मुँह से निकलती थीं, उनमें एक विलक्षण वक्रता रहती थी । उनकी बातचीत का ढंग उनके लेखों के ढंग से एकदम निराला होता था। नौकरों तक के साथ उनकां संवाद सुनने लायक होता था।

(ii) हरगाबिन संवदिया ! संवाद पहुँचाने का काम सभी नहीं कर सकतें । आदमी भगवान के घर मं संवदिया बनकर आता है । संवाद के प्रत्येक शब्द को याद रखना, जिस सुर और स्वर में संवाद सुनाया गया है, ठीक उसी ढंग से जाकर सुनाना सहज काम नहीं । गाँ के लोगों की गलत धारणा है कि निठल्ला, कामचोर और पेटू आदमी की संवरिया का काम करता है । न आगे नाथ, न पीछे पगहा । बिना मजदूरी लिए ही जो गाँव–गाँव संवाद पहुँचावे, उसको और क्या कहेंगे ? औरतों का गुलाम। जरा–सी मीठी बोली सुनकर ही नशे में आ जाए, ऐसे मर्द को भी भला मर्द कहेंगे ? किंतु, गाँव मं कौन ऐसा है, जिसके घर की माँ–बेटी का संवाद हरगोबिन ने नहीं पहुँचाया है? लेकिन ऐसा संवाद पहली बार ले जा रहा है वह ।

(iii) "याद है । मै कोहाट से रावलपिंडी गया था, मिस्टर जॉन कैसे हैं ?"
मैंने जॉन साहब का नाम सुन रखाथा । वे हमारे शहर के जाने–माने बैरिस्टर थे, मुस्लिम सज्जन थे । संभवतः गाँधी जी उनके यहाँ ठहरे होंगे । फिर सहसा ही गाँधी जी के मुँह से निकला–"अरे, मै उन दिनों कितना काम कर लेता था। कभी थकता ही नहीं था" हमसे थोड़ा की पीछे, महादेव देसाई, मोटा–सा लटु उठाए चले आ रहे थे । कोहाट और रावलपिंडी का नाम सुनते की आगे बढ़ आए और उस दौरे से जुड़ी अपनी यादें सुनाने लगे और एक बार जो सुनाना शुरू किय तो आश्रम के फाटक तक सुनाते चले गए । किसी–किसी वक्त गाँधीजी, बीच मं, हँसंते हुए कुछ कहते । वे बहुत धीमी आवाज मं बोलते थे, लगता अपने आपसे बातें कर रहे हैं, अपने साथ ही विचार विनिमय कर रहें है । उन दिनों को स्वयं भी याद करने लगे है ।

प्र011 : निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :– **(3x2=6)**

(i) बालक बच गया – कहानी के माध्यम से लेखक ने आधुनिक समाज की किस प्रवृति की ओर संकेत किया है ?

(ii) रोगी बालक के प्रति गाँधी जी का व्यवहार कैसा था?

(iii) बड़ी बहुरिया के मायके से लौटकर हरगोबिन ने क्या संकल्प लिया ?

(iv) दूसरा देवदास – कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए ?

(v) शेर के मुंह और रोजगार के दफ्तर के बीच क्या अन्तर है ?

प्र012 : निम्नलिखित में से किसी एक गद्यकार की संक्षिप्त साहित्यिक विशेषताएं लिखिए :– **(3)**

(i) फणीश्वर नाथ रेणु

(ii) ममता कालिया

(iii) हजारी प्रसाद द्विवेदी

प्र013 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पश्नों के उत्तर लिखिए :– **(2x2=4)**

(i) जगधर के मन मे किस तरह का ईर्ष्या भाव जागा और क्यों ?

(ii) विसनाथ पर क्या अत्याचार हो गया ?

(iii) हमारी आज की सभ्यता इन नदियों को गंदे पानी के नाले बना रही है, क्यों और कैसे ?

(iv) फूल केवल गंध की नहीं देते, दवा भी करते है, कैसे ?

प्र014 : यह फूस की राख न थी, उसकी अभिलाषाओं की राख थी । –संदर्भ सहित विवेचन कीजिए ।

अथवा (4)

लेखक को क्यों लगता है कि हम जिसे विकास की औद्योगिक सभ्यता कहते है। वह उजाड़ की अपसभ्यता है ? आप क्या मानते है ?

प्रश्न पत्र प्रारूप कक्षा–12 हिन्दी

अनुभाग	प्रश्न संदर्भ	कौशल प्रकृति	प्रश्न संख्या	प्रश्न प्रकार	भाग	अंक प्रतिभाग	अंक
अन्तरा–2 अन्तराल अभि0माध्यम	अभिव्यक्ति माध्यम, अन्तरा–2 काव्य सौन्दर्य, कवि परिचय गद्यकार परिचय, अन्तराल	ज्ञानात्मक विश्लेषणात्मक स्वतन्त्र चिन्तन	1	बहुविकल्पीय	16	1	16
अपठित बोध	अपठित गद्यांश अपठित पद्यांश	बोधात्मक	2. 3.	लघुत्तरीय लघुत्तरीय	6 4	1 1.5	6 6
रचनात्मक लेखन	निबन्ध पत्र, प्रार्थना पत्र	रचनात्मक रचनात्मक	4 5	निबन्धात्मक	1 1	4 4	4 4
सृजनात्मक लेखन	अभिव्यक्ति और माध्यम	ज्ञानात्मक	6	लघुत्तरीय	2	3	6
काव्य साहित्यक बोध	काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या प्रश्नोत्तर काव्य भाग(अंतरा–2) कवि परिचय/सहित्यिक विशेषताएं	व्याख्यात्मक ज्ञानात्मक समीक्षात्मक	7 8 9	निबन्धात्मक लघुत्तरीय लघुत्तरीय	1 3 1	4 2 3	4 6 3
ग्द्य साहित्यक बोध	गद्यांशकी सप्रसंग व्याख्या(अंतरा–2) प्रश्नोत्तर गद्य भाग(अंतरा–2) गद्यकार का परिचय एवं साहित्यिक विशेषताएं	व्याख्यात्मक ज्ञानात्मक समीक्षात्मक	10 11 12	निबन्धात्मक लघुत्तरीय लघुत्तरीय	2 3 1	4 2 3	8 6 3
स्वतन्त्र भाषिक अभिव्यक्ति	अनुपूरक पाठ्य पुस्तक अन्तराल भाग–2 अभ्यास प्रश्न	स्वतन्त्र थ्चंतन	13 14	लघुत्तरीय निबन्धात्मक	2 1	2 4	4 4

कुल अंक 80

प्रश्नपत्र की बोधात्मक स्तर तालिका

बोधात्मक स्तर	वैकल्पिक प्रश्न		अतिलघु उत्तरीय प्रश्न		लघुउत्तरीय प्रश्न		दीर्घउत्तरीय प्रश्न	
सरल	07	44%	04	33.3%	05	38%	02	40%
मध्यम	05	31%	04	33.3%	04	31%	02	40%
कठिन	04	25%	04	33.3%	04	31%	01	40%
	16	100%	12	100%	13	100%	05	100%

कुल प्रश्न (पूछे गए)= 14 प्रश्न
भाग सहित पूछे गए प्रश्नों की संख्या = 46 प्रश्न [उपरोक्त वर्णित सभी प्रकार के प्रश्न]

"हिमधारा हिन्दी ग्रुप"

1. Kartar Chand Lect. (Hindi) GSSS Galoo (7018251346)
2. Rajan Sood Lect. (Hindi) GSSS Bhoda (9418101945)

Stepwise Marking Scheme
<u>Model Question paper Hindi</u>
Class(10+2)

प्र01.16 parts one marks each questions	=	16x1=16
प्र02. 6 parts	=	6x1= 6
प्र03. 6 parts	=	4x1.5 = 6
प्र04. भूमिका+ विषय वस्तु + समापन	=	1+2+1=04
प्र05. सम्बोधन + विषय वस्तु + समापन	=	1+2+1=04
प्र06. अंक 1 + 1 = 2 प्रश्न 03	=	3x2=06
प्र07. प्रसंग+ व्याख्या +काव्यविशेष	=	1+2+1=04
प्र08. अंक 1 + 1 = 2 प्रश्न 03	=	3x2=06
प्र09. 1+1+ 1 = 2 प्रश्न 03 भाव पक्ष + कला पक्ष + कृतियां	=	3x2=06
प्र010. प्रसंग + व्याख्या + काव्यविशेष	=	(1+2+1)=04
प्र011. अंक 1 + 1 = 2 प्रश्न 03	=	3x2=06
प्र012. भाव पक्ष + कला पक्ष + कृतियां (1+1+1)	=	03= 1x3= 03
प्र013. अंक 1 + 1 = 2 प्रश्न 02	=	2x2=04
प्र014. अंक 2 + 2 = 04 प्रश्न 01	=	1x4=04
		कुल अंक = 80